अंक – 56 01.09.2025 सोमवार

कैमूर चेतना - सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए

01 सितम्बर 2025
सोमवार

कैमूर अंक- 56

समाहरणालय कैमूर

संपादकीय

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- संविधान की प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- रोचक तथ्य
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना

कैमूर चेतना सत्र

कैमूर चेतना - सत्र

शुभकामना संदेश

कार्यालय
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
(स्थापना, एस.एस.ए.,माध्यमिक शिक्षा)
कैमूर (भभुआ)

"कैमूर चेतना सत्र" पत्रिका, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधन के रूप में प्रस्तुत की गई है। यह पहल न केवल कैमूर जिले की शिक्षण परंपरा में नवाचार का संचार करती है, बल्कि ज्ञान, सृजनशीलता और सहभागिता की एक नई दिशा भी प्रदान करती है।

शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षकों को ऐसे संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ जो उन्हें सशक्त बनाएं, अद्यतन रखें और शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए आनंददायक बनाएं।

"कैमूर चेतना सत्र" इसी सोच का सशक्त प्रतिबिंब है। इस रचनात्मक सामग्री के निर्माण में कैमूर चेतना – सत्र निर्माण कोषांग के सदस्यों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय है। इनका यह समर्पण निश्चित ही जिले के अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा देगा।

मैं इस पत्रिका की संकल्पना एवं निर्माण से जुड़ी संपूर्ण टीम को इस प्रयास के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

"कैमूर चेतना सत्र" भविष्य में भी शिक्षक व विद्यार्थियों — दोनों के लिए नवाचार और प्रगति का माध्यम बना रहे, यही शुभकामना है।

श्री विकास कुमार डीएन
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी , कैमूर
(एस.एस.ए , स्थापना , माध्यमिक शिक्षा)

सितम्बर - 2025 कैलेंडर

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मानव जाति की प्रगति की कुंजी है। - जवाहर लाल नेहरू	1 भाद्रपद शु. 9	2 भाद्रपद शु. 10	3 भाद्रपद शु. 11	4 भाद्रपद शु. 12	5 भाद्रपद शु. 13	6 भाद्रपद शु. 14
7 भाद्रपद शु. 15	8 आश्विन कृ. 1	9 आश्विन कृ. 2	10 आश्विन कृ. 3	11 आश्विन कृ. 4	12 आश्विन कृ. 5	13 आश्विन कृ. 6
14 आश्विन कृ. 7	15 आश्विन कृ. 8-9	16 आश्विन कृ. 10	17 आश्विन कृ. 11	18 आश्विन कृ. 12	19 आश्विन कृ. 13	20 आश्विन कृ. 14
21 आश्विन कृ. 30	22 आश्विन शु. 1	23 आश्विन शु. 2	24 आश्विन शु. 3	25 आश्विन शु. 4	26 आश्विन शु. 4	27 आश्विन शु. 5
28 आश्विन शु. 6	29 आश्विन शु. 7	30 आश्विन शु. 8				

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ कैमूर

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

राजेश कुमार सिंह
महाबल भृगुनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरिगावा बहेरा , कैमूर

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावकाश मंच ,
भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

हमारे प्रेरणा स्त्रोत

अशफाक उल्ला खान

भारतीय राष्ट्रवादी और स्वतंत्रता सेनानी

जन्म : 22 अक्टूबर 1900, उत्तर प्रदेश
निधन : 19 दिसम्बर 1927, फ़ैजाबाद

अशफ़ाक उल्ला खां (1900-1927) एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे जो ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़े थे| उन्होंने पंडित राम प्रसाद बिस्मिल जैसे साथियों के साथ मिलकर काकोरी ट्रेन डकैती को अंजाम दिया था, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार से धन लूटना था|

एक कुशल कवि और शायर के रूप में, अशफ़ाक उल्ला खां का नाम 'हसरत' था. अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए उन्हें गिरफ्तार कर फैजाबाद जेल में फांसी दी गई थी, जहाँ 19 दिसंबर 1927 को उन्होंने अपना बलिदान दिया.

प्रारंभिक जीवन और क्रांतिकारी विचारों का उदय:

अशफ़ाक उल्ला खां का जन्म 22 अक्टूबर, 1900 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जिले के 'शहीदगढ़' में एक पठान परिवार में हुआ था | बचपन में उन्हें तैराकी, घुड़सवारी और निशानेबाज़ी में रुचि थी, लेकिन बंगाल के क्रांतिकारियों के प्रभाव और देश की स्थिति से प्रभावित होकर वे भी क्रांतिकारी बन गए|

1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद असहयोग आंदोलन वापस लिए जाने पर वे खिन्न हुए और उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों को जारी रखने का फैसला किया|

काकोरी कांड में भागीदारी:

1924 में उन्होंने राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आज़ाद जैसे साथियों के साथ मिलकर हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (बाद में बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन) की स्थापना की| क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु, उन्होंने 9 अगस्त 1925 को काकोरी ट्रेन में ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की घटना को अंजाम दिया.

गिरफ्तारी और बलिदान:

काकोरी कांड के बाद वे एक इंजीनियरिंग कंपनी में काम करने लगे और कमाए गए पैसों से क्रांतिकारी साथियों की मदद करते थे. क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए विदेश जाना चाह रहे थे, लेकिन एक मित्र ने उन्हें धोखा देकर पुलिस को सूचना दे दी और उन्हें गिरफ्तार करवा दिया. जेल में उन्हें कई यातनाएं दी गई और उनसे सरकारी गवाह बनने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया. अंततः, उन्हें 19 दिसंबर 1927 को फैज़ाबाद जेल में फांसी दे दी गई.

1. प्रार्थना

प्रार्थना

तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरु, तू ईश मसीह, हर नाम में, तू समा रहा। ...(2)

तेरी ज़ात-ए-पाक कुरान में, तेरा दर्श वेद पुराण में,
गुरु ग्रंथ जी के बखान में, तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरु, तू ईश मसीह, हर नाम में, तू समा रहा।

अरदास है, कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन, कहीं आवाहन,
विधि भेद का है ये सब रचन, तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरु, तू ईश मसीह, हर नाम में, तू समा रहा।

विधि वेश जात के भेद से , हमें मुक्त कर दो परम पिता ,
तुझे देख पाएं सभी में हम , तुझे देख पाएं सभी जगह।
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरु, तू ईश मसीह, हर नाम में, तू समा रहा।

तेरे गुण नहीं हम गा सके , तुझे कैसे मन में ला सकें,
है दुआ यही तुझे पा सकें, तेरे दर पे सर हो झुका हुआ |
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ,
तू ही वाहे गुरु, तू ईश मसीह, हर नाम में, तू समा रहा।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार

कैमूर चेतना सत्र

संविधान की प्रस्तावना

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

कैमूर चेतना सत्र

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

2. आज का सुविचार

“शिक्षा केवल ज्ञान का संचार नहीं, बल्कि चरित्र का निर्माण है। एक शिक्षक का हृदय जितना विशाल होता है, उतना ही गहरा प्रभाव वह बच्चों के जीवन पर छोड़ता है।”

3. रोचक तथ्य

शहद कभी खराब नहीं होता — मिस्र के पिरामिडों में पाया गया हजारों साल पुराना शहद आज भी खाने योग्य था |

4. दिवस विशेष

राष्ट्रीय पोषण दिवस

भारत सरकार ने लोगों को उचित स्वास्थ्य और पोषण के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए 1 सितंबर को राष्ट्रीय पोषण दिवस के रूप में घोषित किया है। शैक्षणिक संस्थान और स्वास्थ्य सेवा संगठन इस दिन सेमिनार, सम्मेलन और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके इसे मनाते हैं।

5. आज का इतिहास

1933 : कवि दुष्यंत कुमार का जन्म हुआ।

1947 : भारतीय मानक समय (IST) को अपनाया गया।

1956 : भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) की स्थापना हुई।

1956: राज्यों के पुनर्गठन के बाद त्रिपुरा केंद्रशासित प्रदेश बना।

1962: महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शिवाजी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

6. सामान्य ज्ञान

सबसे बड़ा ग्रह कौन सा है? बृहस्पति

हिंदी वर्णमाला में कितने अक्षर होते हैं?
52

हमारे शरीर में खून का रंग क्या होता है?
लाल

चंद्रग्रहण कब होता है?
जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच आती है

किस जानवर को हर चीज दोगुनी दिखाई देती है। हाथी

भारत में सबसे पहले सूर्योदय कहाँ होता है।
अरुणाचल प्रदेश

भारत में नोटबंदी कब हुई ? 8 नवंबर 2016

पुलवामा हमला कब हुआ था ? 24 फरवरी 2019

जम्मू कश्मीर में धारा 370 कब हटा ?
5 अगस्त 2019

भारत के राष्ट्रीय ध्वज को किसने डिजाईन किया था।
पिंगली वेंकैया

7. शब्द ज्ञान

हिंदी- अंगेजी

बहाने मत बनाओ। - Don't make excuses.

समय की नजाकत को समझो। - Understand the delicacy of time.

अपने बाल बना लो। - Comb your hair.

समझने की कोशिश करो। - Try to understand.

मुझे गुस्सा मत दिलाओ। - Don't make me angry.

8. तर्क ज्ञान

यदि 2 + 3 = 13, 3 + 4 = 25, तो 4 + 5 = ?

41

9. कंप्यूटर ज्ञान

कंप्यूटर का जनक : *चार्ल्स बैबेज* — उन्होंने 1822 में पहला गणना यंत्र बनाया जिसे "डिफेरेन्स इंजन " कहा गया।

10. प्रेरक प्रसंग

एक छोटे गाँव में एक लड़का था — आरव। वह पढ़ाई में औसत था, खेलों में भी पीछे रहता, और अक्सर चुपचाप बैठा रहता। स्कूल में शिक्षक उसे "शांत बच्चा" कहकर पुकारते, लेकिन कोई उसकी आँखों में छिपी चमक को नहीं देख पाया।

एक दिन गाँव के स्कूल में एक प्रतियोगिता हुई — "नेतृत्व और सेवा" पर आधारित। बच्चों को एक सप्ताह तक गाँव के किसी हिस्से में सेवा कार्य करना था और फिर अनुभव साझा करना था। आरव ने चुपचाप गाँव के वृद्धाश्रम को चुना।

वहाँ जाकर उसने देखा कि बुज़ुर्ग लोग अकेलेपन से जूझ रहे थे। उसने उनके लिए कहानियाँ सुनाना शुरू किया, उनके साथ चित्र बनाना सीखा, और हर दिन उनके लिए एक छोटी सी गतिविधि तैयार करता। धीरे-धीरे, वृद्धाश्रम में मुस्कान लौट आई।

प्रतियोगिता के दिन, जब सभी बच्चे मंच पर अपने अनुभव साझा कर रहे थे, आरव ने कहा: "मैंने जाना कि नेतृत्व का मतलब भाषण देना नहीं, बल्कि किसी की चुप्पी को सुनना है। सेवा का अर्थ है — किसी के अकेलेपन में एक दीपक जलाना।"

पूरा हॉल शांत था। शिक्षक और प्रधानाचार्य की आँखों में आँसू थे। आरव को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह थी कि अब स्कूल में हर कोई उसे *"दीपक लड़का"* कहने लगा — जो जहाँ जाता, वहाँ रोशनी फैला देता।

उस दिन से स्कूल में एक नई परंपरा शुरू हुई — *"आरव दिवस"*, जिसमें हर बच्चा किसी न किसी सेवा कार्य में भाग लेता।

शिक्षा और संदेश:

नेतृत्व केवल बोलने से नहीं, सुनने और समझने से आता है।
संवेदनशीलता एक ताकत है, कमजोरी नहीं।
हर बच्चा एक दीपक है — बस उसे जलाने का अवसर चाहिए।

11. बूझो तो जानें

ना मैं पक्षी, ना पतंग,
फिर भी उड़ता हूँ हर रंग।

(जवाब: हवाई जहाज़)

गोल हूँ, पर गेंद नहीं,
मुझे खाते हैं, पर मिठाई नहीं।

(जवाब: रोटी)

विभागीय सूचनाएं

विभागीय निर्देशानुसार वैसे विद्यालय जहाँ पर प्रधान शिक्षक अथवा प्रधानाध्यापक पदस्थापित किये गये हैं वहाँ के प्रभारी तत्काल दो दिनों के अंदर विद्यालय का सम्पूर्ण प्रभार सौंपना सुनिश्चित करेंगे I

सभी मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक इंस्पायर अवार्ड से संबंधित 05 बच्चों के प्रोजेक्ट को इंस्पायर अवार्ड के वेबसाइट पर नॉमिनेशन करते हुए पंजीकरण अनिवार्य रूप से दिनांक 15.09.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे I

विभाग से प्राप्त निर्देश के अनुसार सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा E-shikshakosh पर वि.शि. समिति / विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति /विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों के आंकड़ों की प्रविष्टी दिनांक 04.09.2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाए I

सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक U-Dise Plus पर नामांकित सभी छात्रों की इंट्री कराने के साथ-साथ उनके प्रोफाइल अपडेट के दौरान AP,EP,GP का कार्य दिनांक 07.09.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे I

सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवगत होंगे कि सितम्बर 2025 में दिनांक 10.09.2025 से अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं संचालित होंगी I अतएव सभी विषयों का सिलेबस पूर्ण करा लें और इसकी सूचना छात्रों और अभिभावकों को दे देंगे I

सभी प्राथमिक/मध्य/उच्च एवं प्राइवेट विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया जाता है कि विद्यांजली पोर्टल पर अपने-अपने विद्यालय का पंजीकरण दिनांक 05.09.2025 तक अनिवार्य रूप से करा लें I जिले कुछ प्राइवेट और सरकारी विद्यालय अभी तक विद्यांजली पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है I

सभी प्राथमिक/मध्य/उच्च एवं प्राइवेट विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया जाता है कि दिनांक 07.09.2025 तक अनिवार्य रूप **स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग (SHVR)** पोर्टल पर अपने-अपने विद्यालय का रेटिंग विवरणी ऑनलाइन करना सुनिश्चित करेंगे I

"हर सुबह एक नया सत्र, हर दिन एक नई प्रेरणा"

कैमूर चेतना - सत्र टीम
संपर्क सूत्र : 8271039022
9973725565

प्लास्टर ऑफ पेरिस

- सामान्य नाम : प्लास्टर ऑफ पेरिस
- रासायनिक नाम : कैल्शियम सल्फेट हेमिहाइड्रेट
- रासायनिक सूत्र : $CaSO_4 \cdot \frac{1}{2} H_2O$

निर्माण की विधि :

जिप्सम का सूत्र : $CaSO_4.2H_2O$

जिप्सम को 373 K पर गर्म करने पर यह जल के अणुओं का त्याग कर कैल्शियम सल्फेट हेमिहाइड्रेट बनाता है। इसे प्लास्टर ऑफ पेरिस कहते हैं।

उपयोग :

1. टूटी हुई हड्डियों को सही जगह पर स्थिर रखने में
2. खिलौना बनाने में, सजावट का सामान बनाने में
3. सतह को चिकना बनाने में

राजेश कुमार सिंह

कार्यालय : जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर